भीलवाड़ा फोकस

भीलवाड़ा की बात, फोकस के साथ.....

DIGITAL - EPAPER

RNI No. : RJHIN/25/A0890

वर्ष - 01 | अंक - 03 | प्रधान संपादक - कपिल विजयवर्गीय | बिजौलिया - गुरुवार , 19 जून 2025 | मूल्य - 1 रुपया | मो.- 86967 95959 | पृष्ठ - 4

माण्डलगढ़ से जन आंदोलन की शुरुआतः जल बचाओ का संकल्प, झालेश्वर सरोवर से दिया जल-संरक्षण का संदेश

मांडलगढ़ - पौधरोपण के दौरान मौजूद मंत्री , विधायक एवं अन्य

मांडलगढ़- बैठक को संबोधित करते मंत्री

भीलवाड़ा फोकस @ माण्डलगढ़

केसरीमल मेवाड़ा

जल ही जीवन है–इसी भावना को साकार करते हुए माण्डलगढ़ के ऐतिहासिक झालेश्वर सरोवर से बुधवार को जल-संरक्षण को लेकर जन जागरूकता का एक नया अध्याय शुरू हुआ। अवसर था वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान कार्यक्रम का, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान सरकार के पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत शामिल हुए।

कार्यक्रम की शुरुआत मंत्री कुमावत द्वारा झालेश्वर सरोवर की विधिवत पूजा-अर्चना से हुई। उन्होंने मानसून में अच्छी वर्षा की कामना की और पीपल का पौधा रोपित कर पर्यावरण-संरक्षण का भी संदेश दिया। सरोवर किनारे एकत्रित जनसमूह ने तालियों की गड़गड़ाहट से मंत्री का स्वागत किया।

मंत्री कुमावत ने अपने संबोधन में कहा कि ÷जल संरक्षण केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनभागीदारी से जुड़ा हुआ एक जीवनदायिनी आंदोलन है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में यह अभियान पूरे राजस्थान में जनचेतना के माध्यम से चलाया जा रहा है।÷ उन्होंने यह भी कहा कि भारत की परंपरा में नदियों, तालाबों और सरोवरों को पूज्य स्थान प्राप्त है और अब समय आ गया है कि हम सब मिलकर इन जल स्रोतों की रक्षा करें।

कार्यक्रम के पश्चात पंचायत समिति सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक भी आयोजित की गई। मंत्री ने जल स्रोतों की साफ-सफाई, अतिक्रमण हटाने और जीर्णोद्धार जैसे कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि सीएसआर फंड और अन्य वैकल्पिक स्रोतों के माध्यम से जल स्रोतों का सौंदर्यकरण किया जाए।

माण्डलगढ़ विधायक गोपाललाल खंडेलवाल ने इस अवसर पर कहा कि ÷यह केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनसहयोग से जुड़ा एक आंदोलन है, जो जल संकट से निपटने की दिशा में निर्णायक साबित होगा।÷ उन्होंने आम नागरिकों से आह्वान किया कि वे इस अभियान में भाग लें और वर्षा जल संचयन के लिए स्वयं आगे आएं।

बैठक में जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने पीपीटी के माध्यम से अब तक जिले में हुए कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तालाबों की सफाई, श्रमदान, रैलियाँ, नुक्कड़ नाटक, पोस्टर प्रदर्शनी जैसी विभिन्न गतिविधियाँ इस अभियान के अंतर्गत आयोजित की जा रही हैं।

इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा, उप जिला प्रमुख शंकर गुर्जर, नगरपालिका अध्यक्ष संजय डांगी, जिला परिषद सीईओ चंद्रभान सिंह भाटी, अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओमप्रकाश मेहरा, प्रधान जितेन्द्र मूंदड़ा, वरिष्ठ नेता आजाद शर्मा , उपखण्ड अधिकारी मनमोहन शर्मा,बीडीओ संगीता व्यास,पालिकाध्यक्ष संजय डांगी,अधिशासी अधिकारी भानुप्रताप सिंह,तहसीलदार बसन्त पांडे,पुलिस उपाधीक्षक बाबूलाल विश्नोई सहित कई जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

सीबीएन की बड़ी कार्रवाईः कोटा-चित्तौड़ हाईवे पर बाइक सवार तस्करों से 159 किलो गांजा बरामद, दोनों गिरफ्तार

भीलवाड़ा - कोटा सीबीएन द्वारा जब्त गांजा

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो ने मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 159.75 किलो गांजा जब्त किया है। यह कार्रवाई 17 जून को कोटा-चित्तौड़गढ़ हाईवे पर स्थित नला का माताजी मंदिर के पास, तहसील बिजौलिया में की गई। टीम ने दो बाइक सवार युवकों को मौके पर धरदबोचते हुए गांजा के साथ गिरफ्तार कर लिया।

सीबीएन कोटा के उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल ने बताया कि भवानी मंडी यूनिट व कोटा मुख्यालय की संयुक्त टीम को सूचना मिली थी कि मादक पदार्थ तस्कर भीलवाड़ा जिले के रास्ते गांजा की बड़ी खेप सप्लाई करने वाले हैं। सूचना के आधार पर टीम ने विशेष रणनीति बनाकर हाईवे पर निगरानी शुरू की और संदिग्धों की पहचान कर उन्हें रोका।जांच के दौरान युवकों के पास से कुल 159.75 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसे वे बाइक पर लादकर ले जा रहे थे। गांजा की इतनी बड़ी मात्रा मिलने पर दोनों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया और बाइक सहित माल को एनडीपीएस एक्ट के तहत जब्त किया गया। सीबीएन टीम अब दोनों आरोपियों से पूछताछ कर सप्लाई चैन और नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है।

मेनाल में समय से पहले गूंजी जलधारा की गूंज, हरियाली के बीच झरने की अद्भुत छटा

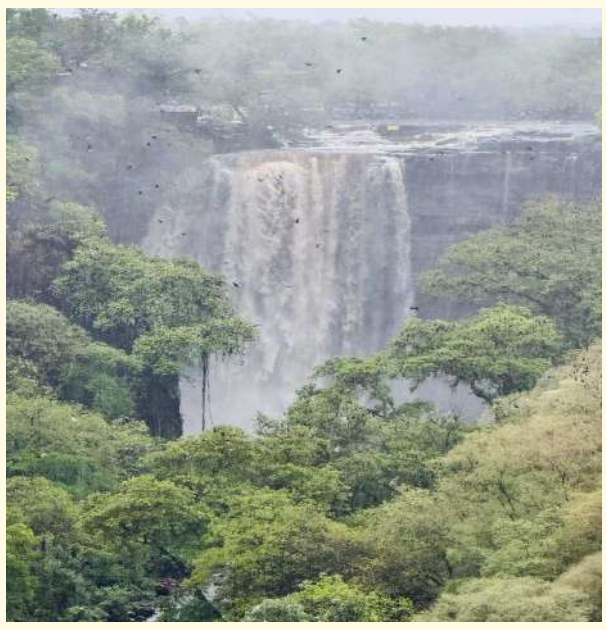

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

(कपिल विजयवर्गीय)

राजस्थान के दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र में स्थित मेनाल एक बार फिर मानसून की पहली दस्तक के साथ जीवंत हो उठा है। इस बार प्रकृति ने समय से पहले ही अपना सौंदर्य लुटाना शुरू कर दिया है। मेनाल जलप्रपात, जो आमतौर पर जुलाई की शुरुआत में प्रवाहित होता है, इस वर्ष जून के मध्य में ही बहना शुरू हो गया। बीते वर्ष जहां यह झरना 5 जुलाई को सक्रिय हुआ था।

बिजौलिया उपखंड मुख्यालय से करीब 20 किलोमीटर दूर स्थित मेनाल, ना केवल प्राकृतिक सौंदर्य का अद्वितीय केंद्र है, बल्कि ऐतिहासिक और धार्मिक दृष्टि से भी बेहद समृद्ध स्थल है। यह स्थान चित्तौड़गढ़ जिले की सीमा में आता है, लेकिन इसका भावनात्मक जुड़ाव भीलवाड़ा जिले से भी गहराई से जुड़ा हुआ है।

झरने के समीप ही फैले हैं 12वीं-13वीं शताब्दी के स्थापत्य कला के उत्कृष्ट नमूने – लगभग 20 छोटे-बड़े मंदिरों का समूह, जो इस स्थल को केवल प्राकृतिक ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और आध्यात्मिक दृष्टि से भी विशिष्ट बनाते हैं। इन मंदिरों की दीवारों पर उकेरी गई शिल्पकला, राजस्थान की ऐतिहासिक कला परंपरा का जीवंत उदाहरण है।

मेनाल का झरना लगभग 150 फीट गहरी घाटी में गिरता है, और जब इसकी जलधारा पत्थरों को चीरती हुई नीचे गिरती है, तो वह दृश्य आंखों को ही नहीं, आत्मा को भी शीतलता देता है।

घाटी के दोनों ओर फैली हरियाली, झरने की गूंज, और मंदिरों की शांत आभा – यह सब मिलकर इस स्थान को स्वर्गिक रूप देते हैं।

मेनाल हर साल मानसून में एक नया जीवन लेकर आता है। यहां का वातावरण ना सिर्फ सुकून देने वाला होता है, बल्कि यह हर आने वाले को अपनी संस्कृति, विरासत और प्रकृति के प्रति भावनात्मक रूप से जोड़ देता है।

इस बार झरने के समय से पहले सक्रिय हो जाने से पर्यटन प्रेमियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। स्थानीय लोग भी मानते हैं कि यह वर्षा ऋतु न केवल फसलों के लिए वरदान है, बल्कि मेनाल जैसे स्थलों को भी जीवंत कर उन्हें जन-जन तक पहुंचाने का एक अवसर बनाती है।

रायला पुलिस की बड़ी कार्रवाईः ट्रक से 688 किलो डोडा पोस्त बरामद, एक तस्कर गिरफ्तार

खुफिया केबिन में छिपा रखा था मादक पदार्थ

भीलवाड़ा - डोडा पोस्त के साथ पुलिस हिरासत में तस्कर

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

जिले की रायला थाना पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक और बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक ट्रक कंटेनर से 688 किलोग्राम डोडा चूरा बरामद कर एक तस्कर को गिरफ्तार किया।

पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक व वृताधिकारी मांडल के सुपरविजन में थानाधिकारी बच्छराज चौधरी के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई।

पुलिस टीम ने थाने के बाहर नाकाबंदी के दौरान वाहनों की जांच की। इस बीच एक ट्रक आता दिखाई दिया। पुलिस को देखकर ट्रक से एक व्यक्ति भाग निकला, जबकि चालक से पूछताछ करने पर जवाब संतोषजनक नहीं मिला। शक के आधार पर ट्रक की तलाशी ली गई तो उसमें बनाए गए खुफिया केबिन से 34 कट्टों में भरा डोडा पोस्त बरामद हुआ, जिसकी मात्रा 688 किलो निकली।

पुलिस ने मौके से ट्रक चालक परगट सिंह पुत्र दशरथ सिंह (उम्र 46), निवासी दोड़दा, थाना मवी कला, जिला पटियाला (पंजाब) को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर ट्रक को जब्त कर लिया गया है। बरामद मादक पदार्थ की बाजार में कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है।

इस कार्रवाई में थानाधिकारी बच्छराज चौधरी के नेतृत्व में नारायण सालवी, राजेश कुमार, विक्रम, बनवारी व दुलीचंद की सराहनीय भूमिका रही

बरसात के बीच भड़क्या माता का झरना चला , 30 फ़िट ऊँचाई से गिरता है झरना

बिजोलिया - भड़क्या माता का झरना हुआ शुरू

भीलवाड़ा फोकस @ बिजोलिया

मानसून के आगमन के संकेत के साथ हो रही बरसात से आगामी दिनो में ऊपरमाल क्षेत्र के झरने, बांध, तालाबों में फिर से कलकल सुनाई देने लगेगी । पिछले दो दिनो से क्षेत्र में हो रही रुक रुक के बरसात के बाद बुधवार को भड़क्या माता जी का झरना बहने लगा है । बरसात के रफ़्तार पकड़ने से क्षेत्र के झरने फिर से पर्यटको को आकर्षित करने लगेंगे। भड़क्या झरना फिलहाल धीमे वेग से बहने लगा है। करीब 30 फीट ऊंची चट्टान से गिरती इसकी धाराओं से बहता पानी लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है । उल्लेखनीय है कि भड़क्या जल प्रपात बिजौलिया से लगभग 8 किलोमीटर दूर है। यहाँ भड़क्या माता का प्राचीन मंदिर है। वन क्षेत्र में पैंथर, भालू, गिद्ध आदि कई वन्यजीवों की बहुतायत है।

विकास की नई राह पर बिजौलिया

मांगटला-शक्करगढ़ सड़क को सीआरआईएफ योजना में मिली स्वीकृति, विधायक खंडेलवाल के प्रयास लाए रंग

भीलवाड़ा फोकस @ बिजौलिया

लंबे समय से उपेक्षा और बदहाल हालात की मार झेल रही बिजौलिया से मांगटला होते हुए शक्करगढ़ तक की सड़क को आखिरकार केंद्र सरकार की सीआरआईएफ योजना में मंजूरी मिल गई है। 24 किलोमीटर लंबी इस महत्वपूर्ण सड़क के स्वीकृत होने के साथ ही मांडलगढ़ विधानसभा क्षेत्र के लिए विकास का एक नया द्वार खुल गया है। सुमित जोशी ने बताया की इस बड़ी स्वीकृति के पीछे सबसे मजबूत भूमिका निभाई है मांडलगढ़ विधायक गोपाल खंडेलवाल ने। क्षेत्र की जनता की पीड़ा को समझते हुए उन्होंने निरंतर इस सड़क के मुद्दे को हर मंच पर मजबूती से उठाया। चाहे वह विधानसभा हो, मंत्रालय हो या केंद्र सरकार - खंडेलवाल ने कभी इस विषय को हल्के में नहीं लिया। उनका यही समर्पण और संघर्ष अब क्षेत्र के लिए एक ठोस उपलब्धि में बदल चुका है।

बिजोलिया - क्षतिग्रस्त सड़क को मिली स्वीकृति

यह सड़क केवल गांवों को शहर से जोड़ने वाला एक रास्ता नहीं है, बल्कि यही मार्ग औद्योगिक क्षेत्र, धार्मिक स्थलों और हजारों मेहनतकशों की आजीविका का आधार भी है। ऊपरमाल रेलवे स्टेशन, सीता का कुंड, रीको औद्योगिक क्षेत्र से जुड़ने वाले इस मार्ग की हालत वर्षों से अत्यंत दयनीय थी। जगह-जगह खतरनाक गड्ढे, उखड़ी हुई डामर और टूटी पट्टियाँ इसे ÷सड़क नहीं, मौत का फंदा÷ बना चुकी थीं। दुर्घटनाएँ आम हो गई थीं और आमजन की पीड़ा असहनीय। ऐसे में यह मंजूरी महज़ एक योजना की स्वीकृति नहीं, बल्कि जनसंघर्ष की जीत और सकारात्मक नेतृत्व की पहचान है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के प्रति क्षेत्रवासी आभार प्रकट कर रहे हैं, जिनके सहयोग और समर्थन से यह मार्ग अब हकीकत बनने जा रहा है। अभिषेक ने बताया कि विधायक गोपाल खंडेलवाल की पहल पर यह स्वीकृति विकास की उस सोच का परिणाम है, जो केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर नज़र आती है। इस मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष राजेन्द्र बंजारा सहित क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों ने विधायक खंडेलवाल के इस प्रयास की प्रशंसा की और इसे क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक बताया।

शाहपुरा में निर्माण कार्य बना परेशानी का कारण जिम्मेदारों की चुप्पी खतरनाक

भीलवाड़ा फोकस @ शाहपुरा

नगर के मुख्य मार्गों पर चल रहा अधूरा सड़क निर्माण कार्य अब जनजीवन के लिए अभिशाप बनता जा रहा है। संवेदक की लापरवाही और प्रशासन की उदासीनता के चलते हालात इतने बदतर हो चुके हैं कि लोग अपने ही घरों से बाहर निकलने से कतराने लगे हैं।

बारिश ने स्थिति को और विकराल बना दिया है। अधूरी खुदाई, कीचड़ और बड़े-बड़े गड्ढों ने शहर की सड़कों को दुर्गम बना दिया है। स्थिति यह है कि किसी बीमार व्यक्ति को अस्पताल तक पहुंचाना तो दूर, एंबुलेंस का घर तक पहुंच पाना भी मुश्किल हो गया है।

प्रश्न यह है कि जब सरकार स्वयं को जनकल्याणकारी बताती है, तो ऐसी योजनाओं के कार्यान्वयन में इतनी लापरवाही क्यों? आखिर जनता की सुविधाओं के लिए शुरू हुए ये निर्माण कार्य उनके लिए मुसीबत का कारण क्यों बनते जा रहे हैं?

शाहपुरा- सड़क पर बारिश के चलते फैला कीचड़

क्या इस अव्यवस्था से लोगों का विश्वास प्रशासन और तंत्र पर बना रह पाएगा? क्या आमजन खुद को 'विकास' की दौड़ में शामिल महसूस करेगा या यह सब उसके भीतर आक्रोश को जन्म देगा? सबसे चिंता की बात यह है कि जिम्मेदार अधिकारी इस स्थिति पर चुप्पी साधे हुए हैं। यह चुप्पी आने वाले समय में बड़े जनविरोध की भूमिका न बन जाए – यह सोचने का विषय है।

अब समय आ गया है कि प्रशासन और संबंधित विभाग चेतें। जनता की सहनशीलता की भी एक सीमा होती है, और जब सहनशक्ति जवाब देती है, तो सड़कों पर सिर्फ विरोध नहीं, आक्रोश का लावा फूटता है।

शाहपुरा के कलिजरी गेट क्षेत्र में वर्षों से बंद पड़ा नाला तोड़ा गया, नए नाले का कार्य शुरू

भीलवाड़ा फोकस @ शाहपुरा

। शहर के कलिजरी गेट क्षेत्र में वर्षों से बंद पड़ा नाला, जो आए दिन सड़क पर गंदा पानी फैलने का कारण बनता था, आखिरकार बुधवार को नगर परिषद की सक्रियता से तोड़ दिया गया। नगर परिषद सभापति रघुनंदन सोनी के निर्देशन में पुराने नाले को हटाकर नए नाले के निर्माण का कार्य शुरू कर दिया गया है।

क्षेत्रवासी लंबे समय से इस समस्या से परेशान थे। नाले की सफाई और बहाव बाधित होने से गंदा पानी सड़क पर फैलकर दुर्गंध और बीमारियों का कारण बन रहा था। नगर परिषद के सभी सफाई कर्मचारी मौके पर जुटे हुए हैं, और तेजी से कार्य किया जा रहा है।

सभापति सोनी ने बताया कि जल्द ही नाले का निर्माण पूर्ण कर लिया जाएगा, जिससे क्षेत्रवासियों को लंबे समय से चली आ रही गंदगी की समस्या से स्थायी राहत मिलेगी। स्थानीय नागरिकों ने नगर परिषद के इस कदम की सराहना की है।

भाषा और संस्कृति से बनती है समाज की पहचान - महामंडलेश्वर हंसराम उदासीन

सिन्धु सभा के 15 दिवसीय बाल संस्कार शिविरों का भव्य समापन समारोह सम्पन्न

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

(पेसवानी) हरि शेवा उदासीन आश्रम, सनातन मंदिर के महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन ने कहा कि ÷भाषा और संस्कृति किसी भी समाज की मूल पहचान होती है। यदि बचपन में बच्चों को अच्छे संस्कार मिलें तो वही देश का उज्ज्वल भविष्य बनते हैं।÷ वे यह विचार सिन्धु सभा द्वारा आयोजित बाल संस्कार शिविरों के समापन समारोह में व्यक्त कर रहे थे।

जिला प्रवक्ता पंकज आडवाणी ने बताया कि समारोह का शुभारंभ भगवान झूलेलाल, सिन्धुपति महाराज दाहरसेन व भारत माता की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन से हुआ। शिविरों में भाग लेने वाले बच्चों ने गीत, नृत्य व झूलेलाल पंजड़े की प्रस्तुतियों से समां बांधा। कार्यक्रम का संचालन ओमप्रकाश गुलाबानी ने किया।

नगर प्रवक्ता किशोर लखवानी ने बताया कि शिविरों में सिंधी भाषा, साहित्य, पेंटिंग, मेहंदी, गायन आदि विषयों का प्रशिक्षण 5 से 15 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को दिया गया। प्रतियोगिताओं में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार व सभी बच्चों को स्मृति भेंट प्रदान की गई।

इस वर्ष जिले के सात क्षेत्रों– सिंधुनगर, बापूनगर, शास्त्री नगर, पंचवटी, मांडलगढ़, शाहपुरा व गुलाबपुरा–में शिविर आयोजित हुए। निःशुल्क सेवा देने वाले सभी अध्यापकों व प्रशिक्षकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह में संत गोविंदराम, ब्रह्मचारी इंद्रदेव, भगवानदास नथरानी, धीरज पेशवानी, नवीन मनवानी, बलराम किशनानी, सुग्नामल कलवानी सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

बिजौलियां सेंड स्टोन - पत्थर से प्रतिमा तक, संघर्ष और सफलता की अद्भुत यात्रा

अब खानों पर बढ़ा स्थानीय प्रभुत्व, वैश्विक मंदी के बाद नए कलेवर में लौट रहा है व्यवसाय

बिजोलिया- अयोध्या में परिक्रमा मार्ग में लगा सैंड स्टोन

बिजोलिया - निर्यात के लिए स्टॉक किया गया सैंड स्टोन

भीलवाड़ा फोकस @ बिजौलियां

कमलेश सोनी

राजस्थान के बिजौलियां क्षेत्र का पत्थर, जिसे तकनीकी भाषा में सेंड स्टोन कहा जाता है, केवल एक खनिज नहीं, बल्कि एक जीवित इतिहास है – जिसने हर दौर में नया स्वरूप लिया, नई पहचान बनाई, और अपने भीतर कई युगों की कहानियां समेटी।

इतिहास से वर्तमान तक -

बिजौलियां के पुराने कुंडों, बावड़ियों, छतरियों और मंदिरों में इस पत्थर का उपयोग हजारों वर्ष पूर्व से होता आया है। किंतु इसका खनिज रूप में व्यवस्थित विकास 20वीं सदी के प्रारंभ से हुआ, जब इसे संगठित खनिज के तौर पर मान्यता मिली। आजादी के बाद सरकार ने इसे अपने नियंत्रण में लेते हुए आवंटन की नीतियाँ बनाईं। पहले यह कास्यां पट्टी में 'फर्शी पत्थर' के रूप में लोकप्रिय हुआ। धीरे-धीरे नए खनिज क्षेत्र घोषित कर ब्लॉक व प्लॉट बनाकर आमजन के लिए आवेदन खोले गए, जिनमें राजस्थान ही नहीं, मध्यप्रदेश के सीमावर्ती जिलों से भी इच्छुक भाग लेने लगे।

श्रम से लेकर तकनीक तक का विकास -

प्रारंभ में केवल श्रमिकों की मदद से छत पट्टियां, कटले और चुनाई पत्थर निकाले जाते थे। बनिया का तालाब, सतकुडिया, केरखेड़ा, सुखपुरा, शंभूपुरा, खड़ीपुरा आदि खनिज क्षेत्र इस समय सक्रिय थे। जैसे-जैसे बाजार बढ़ा, खान विभाग ने नीतियों में संशोधन करते हुए खातेदारी भूमि पर खनन की अनुमति दी, जिससे स्थानीय लोगों का वर्चस्व बढ़ने लगा और बड़े-बड़े 25 बीघा के खनिज पट्टे चलने लगे।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में पहचान -

स्थानीय मांग घटने के बावजूद, बिजौलियां सेंड स्टोन ने अपनी गुणवत्ता के बल पर अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में प्रवेश किया। यूरोप, मिडल ईस्ट और एशियाई देशों में निर्यात बढ़ा। इससे रीको क्षेत्र में कटिंग-पॉलिश यूनिट्स, स्टॉक यार्ड और एक्सपोर्ट कंपनियां स्थापित हुईं। व्यापार का आंकड़ा 800 करोड़ रुपये सालाना तक पहुंच गया।

अनुपयोगी पत्थरों से कोबल स्टोन बनने लगे, जिससे हर खदान उपयोगी सिद्ध होने लगी। यह समय बिजौलियां के पत्थर उद्योग का स्वर्ण युग कहलाया।

वैश्विक संकट और स्थानीय संघर्ष-

हालांकि, रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराइल-हमास संघर्ष, विदेशी पत्थरों की प्रतिस्पर्धा और पोर्ट लदान की महंगाई ने पत्थर निर्यात पर ब्रेक लगा दिया। इसके चलते तीन वर्षों से उद्योग पर मंदी के बादल छाए हुए हैं।

नया कलेवर, नई उम्मीदें -

इस मंदी के दौर में भी बिजौलियां सेंड स्टोन ने नया रूप लेना शुरू किया।

- अयोध्या श्रीराम मंदिर की परिक्रमा में इसकी भव्य उपस्थिति दर्ज हुई।
- कई जैन मंदिरों में मूर्तियां इसी पत्थर से बनाई गईं।
- लकड़ी के विकल्प के रूप में सेंड स्टोन की चौखटें अब लोकप्रिय हो रही हैं – जो मजबूत, जलरोधक और एसिड प्रूफ होती हैं।
- राजस्थान, मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के दर्जनों धार्मिक स्थलों पर इसकी उपस्थिति बढ़ रही है।

QUICK BITES

एक पौधा मां के नाम' कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण का संदेश, धानेश्वर में हुआ पौधारोपण व वितरण

भीलवाड़ा फोकस @ शाहपुरा

(पेसवानी) वंदे जल संरक्षण जन अभियान के तहत धानेश्वर पौधशाला में 5 से 20 जून तक चल रहे कार्यक्रम के अंतर्गत बुधवार को विशेष आयोजन हुआ। इसमें 'एक पौधा मां के नाम' संदेश के साथ वृक्षारोपण किया गया और तुलसी सहित अन्य प्रजातियों के पौधे वितरित किए गए। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण, प्लास्टिक मुक्त जीवनशैली और जलसंरक्षण का संकल्प दिलाया गया। तहसीलदार अनिल कुमार (फुलियाकलां) ने कहा कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए ऐसे प्रयास जरूरी हैं और हर व्यक्ति को कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखरेख करनी चाहिए।

कार्यक्रम में क्षेत्रीय वन अधिकारी प्रभुराम धूण, वनपाल थानमल परिहार, सहायक वनपाल आबिद खां, प्रमोद मेघवंशी, मीरा मीणा सहित वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी, ग्रामवासी, जनप्रतिनिधि तथा फुलियाकलां तहसील व उपखंड कार्यालय का स्टाफ उपस्थित रहा।

सभी ने पौधे लेकर हरियाली और पर्यावरण सुरक्षा का संकल्प लिया। महिलाओं और युवाओं को प्लास्टिक का उपयोग छोड़कर पुनः उपयोगी वस्तुओं को अपनाने का संदेश भी दिया गया।

'भीलवाड़ा फोकस'
अपने शहर और गाँव के समाचार, सूचनाएँ, सार्वजनिक घोषणाएँ या विज्ञापन प्रकाशित करवाने के लिए संपर्क करें।
Mo.– 8696795959
Bhilwarafocus@gmail.com
BHILWARA FOCUS
भीलवाड़ा की बात, फोकस के साथ

भीलवाड़ा की अस्मिता चौधरी इंडियन वीमेन इन दुबई अवार्ड से सम्मानित

अस्मिता पिछले 19 वर्षों से दुबई में रहकर 3 वर्षों से समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रही हैं

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाडा

(पंकज पोरवाल) सेटिस्फाइड सोल्स संस्था की संस्थापक भीलवाड़ा निवासी पर्यावरणविद् बाबूलाल सुशीला जाजू की पुत्री एवं अनूप शीतल चौधरी की पुत्रवधू अस्मिता चौधरी को उनके सामाजिक कार्यों के लिए प्रतिष्ठित इंडियन वीमेन इन दुबई अवार्ड सीज़न 5 से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार समारोह दुबई के जाबील लेडीज़ क्लब में आयोजित हुआ, जहां प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री लीसा रे ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। उल्लेखनीय है कि अस्मिता द्वारा सेटिस्फाइड सोल्स संस्था के माध्यम से संयुक्त अरब अमीरात में जरूरतमंदों की सहायता, समुदाय सेवा, दया एवं करुणा पर आधारित 270 कार्यक्रमों का आयोजन कर हजारों जरूरतमंदों की सहायता कर चुकी है। चौधरी ने इस अवसर पर कहा कि यह सम्मान सिर्फ उसका नहीं बल्कि हर उस व्यक्ति का है जिसने समाज सेवा के अनुकरणीय कार्य में योगदान दिया। समारोह का आयोजन रीमा महाजन और शिखा अग्रवाल के नेतृत्व में इंडियन वूमेन इन दुबई संगठन द्वारा किया गया, जो समाज में बदलाव लाने वाली महिलाओं को सशक्त बनाने और उनके कार्यों का सम्मान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उल्लेखनीय है की अस्मिता चौधरी पिछले 19 वर्षों से दुबई में रहकर 3 वर्षों से समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रही है एवं पूर्व में भी कई संस्थानों से सम्मानित हो चुकी हैं।

श्री जोगणियां माता शक्तिपीठ पर नवग्रह और नक्षत्र वाटिका का भूमि पूजन, वृक्षारोपण कार्य प्रारंभ

भीलवाड़ा फोकस @ बिजोलिया

(रमेश गुर्जर) श्री जोगणियां माता शक्तिपीठ परिसर में निर्माणाधीन नवग्रह और नक्षत्र वाटिका में नवग्रहों एवं 28 नक्षत्रों के वृक्षों का रोपण कार्य विधिवत भूमि पूजन के साथ प्रारंभ हुआ। यह आयोजन श्री जोगणियां माता शक्तिपीठ प्रबंध एवं विकास संस्थान के संस्थापक स्वर्गीय भंवरलाल जोशी की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित किया गया।

सायं 6 बजे शतभिषा नक्षत्र में वेद विद्यालय के आचार्यों और बटुकों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भूमि पूजन कर वृक्षारोपण की शुरुआत की गई। संस्थान के अध्यक्ष सत्यनारायण जोशी ने बताया कि नवग्रहों और नक्षत्रों का संपूर्ण ब्रह्मांड पर गहरा प्रभाव होता है। इसी वैज्ञानिक एवं धार्मिक दृष्टिकोण से यह वाटिका विकसित की जा रही है, जिसमें प्रत्येक नक्षत्र के चार चरणों, उनके देवता, वाहन, स्वरूप, वर्ण, ग्रह, पक्षी, गण, त्रिमूर्ति आदि की जानकारी शिलापट्टों पर अंकित की जाएगी।

नवग्रह मंडल के मध्य ग्रहों के वृक्ष रोपित किए गए हैं, जिनकी परिक्रमा में नक्षत्रों के वृक्ष लगाए जा रहे हैं। श्री जोगणियां माता शक्तिपीठ में आने वाले श्रद्धालु यहां पर शिलालेख पर लिखे वैदिक मंत्रों के माध्यम से ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति को समझ सकेंगे और उनकी आराधना कर सकेंगे।

नक्षत्र ज्योतिष के अनुसार ग्रह और नक्षत्र मानव जीवन, शरीर और प्राणों पर विशेष प्रभाव डालते हैं। यहां विकसित हो रही यह वाटिका आमजन को सीधे इन प्रभावों को जानने, समझने और धार्मिक अनुष्ठान में उपयोग की जानकारी देगी। वाटिका के सामने श्री जोगणियां माताजी का सुंदर चित्र मंदिरनुमा लोहे की छतरी में लगाया जाएगा, जो दर्शनीय होगा। शक्तिपीठ गौशाला के समीप होने से इस स्थल की धार्मिक महत्ता और भी बढ़ जाती है। यह पूरा कार्य संस्थान के शंभूलाल आमेटा की देखरेख में प्रगति पर है और शीघ्र ही पूर्ण कर लिया जाएगा। इस अवसर पर संस्थान के प्रेमचंद धाकड़, कन्हैया लाल मेवाड़ा, रमेश गुर्जर, धनराज छिपा, सुरेन्द्र मीणा, सूरजमल गुर्जर, प्रेमचंद धाकड़ (उमर), महेंद्र सोलंकी और प्राचार्य नारायणलाल शर्मा उपस्थित रहे।

बिजोलिया - भूमि पूजन के दौरान मौजूद बटुक

अफीम नीति 2026 को लेकर हुई सलाहकार बैठक, किसानों ने रखीं महत्वपूर्ण मांगें

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो, भारत सरकार द्वारा बुधवार को कोटा नारकोटिक्स कार्यालय में अफीम किसानों की सलाहकार बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी अफीम नीति 2026 को लेकर किसान संगठनों से सुझाव आमंत्रित किए गए। इस अवसर पर भारतीय किसान संघ चित्तौड़ प्रांत की ओर से प्रतिनिधियों ने भाग लिया और किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए कई जरूरी बिंदुओं पर सुझाव प्रस्तुत किए।

बैठक में किसानों ने मांग की कि पिछले वर्ष औसत उपज के आधार पर रोके गए सीपीएस पद्धति वाले पट्टों को पुनः जारी किया जाए और 60 किलो प्रति 10 आरी उपज देने वाले किसानों को भी लाइसेंस दिया जाए। साथ ही यह भी कहा गया कि पिछले चार वर्षों से गोदामों में जमा पड़ा डोडा चूरा अब तक उपयोग में नहीं लाया गया है, इसलिए किसानों को पुनः गोंद निकालने की अनुमति दी जाए ताकि उन्हें रोजगार मिल सके।

प्रतिनिधियों ने पुराने लाइसेंस (1991-1998) को शून्य औसत या प्रकाशित सूची के आधार पर पुनः बहाल करने की भी मांग की, क्योंकि इनमें से कई किसान पिछले वर्ष भी औसत की शर्तों के कारण वंचित रह गए थे। इसके अतिरिक्त डोडा चूरा को एनडीपीएस एक्ट से बाहर कर आबकारी अधिनियम में शामिल करने और अफीम नीति हर साल सितंबर के पहले सप्ताह में घोषित करने की आवश्यकता जताई गई, ताकि किसानों को समय पर बुवाई का अवसर मिल सके।

किसानों ने अफीम की कीमत ?10,000 प्रति किलो किए जाने की भी मांग की, जिससे महंगाई और बढ़ती लागतों के अनुरूप उन्हें लाभ मिल सके। साथ ही यह भी कहा गया कि धारा 8/29 को हटाया जाए क्योंकि यह किसान विरोधी है। शिक्षित बेरोजगारों को अफीम के नए लाइसेंस देने की भी सिफारिश की गई।

प्रतिनिधियों ने कहा कि विभाग ने औसत उपज बढ़ा दी है लेकिन गाढ़ता (डिग्री) के मापदंड यथावत हैं, जिससे उत्पादन तो बढ़ेगा पर गुणवत्ता कमजोर हो सकती है। इसलिए अफीम की परख के मानकों में रियायत दी जाए और 70 डिग्री के स्थान पर 50 डिग्री तापमान को आधार माना जाए। साथ ही, पहले की तरह दो प्लॉटों में बुवाई करवाने और 1998 से 2015 तक औसत की कमी से रोके गए सभी लाइसेंस बहाल करने की भी मांग रखी गई।

बैठक में बद्रीलाल जाट, बद्रीलाल तेली (बड़ला अफीम किसान संघर्ष समिति), गोपाल अवलेश्वर (प्रांत जैविक प्रमुख), मीठूलाल चित्तौड़गढ़, विक्रम सिंह बारा (प्रांत उपाध्यक्ष), सोहनलाल आंजना, किसान नेता रामकुमार जाट, मांडलगढ़ विधायक प्रतिनिधि जगदीश चंद्र सराना सहित कई प्रमुख किसान नेता उपस्थित रहे।

QUICK BITES

लघु उद्योग भारती चित्तौड़ प्रांत के जाजू व उद्यमी संघवी ने मुख्यमंत्री भजनलाल से की भेंट

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाडा

भीलवाड़ा लघु उद्योग भारती के चित्तौड़ प्रांत उपाध्यक्ष रवीन्द्र जाजू, खनिज उद्यमी नेम कुमार संघवी और संदीप संघवी ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से भेंट कर भीलवाड़ा सहित राजस्थान में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध खनिज के खनन के माध्यम से देश की आर्थिक उन्नति की संभावनाओं पर चर्चा की। पंकज आडवाणी ने बताया कि मुख्यमंत्री को भिन्न भिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध बेशकीमती खनिज के सैंपल सौंपे एवं उनके खनन एवं उपयोग के संबंध में विस्तार से बातचीत हुई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस प्रयास पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा सरकारी स्तर पर सहयोग कर इस क्षेत्र को विकसित करने का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड से भी मिला एवं भीलवाड़ा की टेक्सटाइल सहित अन्य उद्योगों से संबंधी विषयों पर वार्ता की। मुख्यमंत्री को कीमती खनिज गोल्ड, सिल्वर, कोबाल्ट, निकल, नीयोबीयम, लेड, जिंक, कापर, रुटाइल, लियोकोक्सीन, आयरन, मेग्निज व अन्य कई बेशकीमती खनिज दिए व इनकी राजस्थान मे उपलब्धता सम्बन्धी क्षेत्रो की जानकारी दी, जिससे मुख्यमंत्री के प्रयासों से देशहित के कार्य संपन्न हो सके।

हिन्दुस्तान जिंक द्वारा शिक्षा संबंल कार्यक्रम के अन्तर्गत आयोजित समर कैम्प का हुआ समापन

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाडा

(पंकज पोरवाल) हिन्दुस्तान जिंक रामपुरा आगूचा माइंस के ग्रामीण विकास के अन्तर्गत संचालित शिक्षा सम्बल ग्रीष्मकालीन शिविर का समापन समारोह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बालक आगुचा में आयोजित हुआ। जिसमें आस पास के क्षेत्र के 10 राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों की 200 से अधिक ग्रामीण प्रतिभाएं आत्मविश्वास से परिपूर्ण नज़र आई। माध्यमिक कक्षा में इस वर्ष प्रवेश लेने वाले छात्र छात्राओं के परिणाम में गुणवत्तापुर्ण सुधार एवं ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे लाने के लिये हिन्दुस्तान जिंक के आस पास के क्षेत्र के गांवों के चयनित विद्यार्थियों के लिये

एक माह का ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर महात्मा गांधी राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय हुरड़ा एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय बालक आगुचा में आयोजित किया। शिविर में गणित, विज्ञान और अंग्रेजी विषय के साथ साथ इस वर्ष आवासीय कैम्प में डिजिटल कक्षाएं, ओडियो-विजुअल सामग्री, हैंड्स-ऑन गतिविधियो को भी शामिल किया गया। समापन समारोह में सहायक मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी शिव टेलर, राजकीय विद्यालय के प्राचार्य सुरेंद्र कुमार, रामपुरा आगुचा माइंस यूनिट हेड वेकेश चित्तौड़ा, आगुचा माइंस मजदूर संघ के महामंत्री एमके सोनी, सीएसआर हेड अभय गौतम एवं सीएसआर टीम उपस्थित थे। अतिथियों ने अपने अनुभव साझा कर छात्रों को सदैव और अधिक प्रयासरत रहने हेतु प्रोत्साहित किया। उन्होंने इस बात की सराहना की कि यह सीखने के लिए एक बेहतरीन मंच है। हिन्दुस्तान जिंक एवं विद्या भवन सोसायटी द्वारा एक माह तक आयोजित इस समर कैम्प में विद्यार्थियों को विशेषज्ञ अध्यापको द्वारा गणित, अंग्रेजी एवं विज्ञान विषयों की कोचिंग दी गयी साथ ही समेकित पर जोर देते हुए योगा, खेलकूद, आर्ट एण्ड क्राफ्ट एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए। रामपुरा आगूचा के कर्मचारियों ने वॉलंटियर सेवा देते हुए विद्यार्थियों को जीवन कौशल, समय प्रबंधन, करियर काउंसलिंग एवं आपदा प्रबंधन के बारें में जानकारी दी।

पिछले 10 वर्षों से टूटी नाली देख रही मरम्मत होने की राह

भीलवाड़ा फोकस @ बिजौलिया

कस्बे के वार्ड नंबर 13 बड़ी मस्जिद के पास कोली मोहल्ले में दो मार्गों को जोड़ने वाली एक नाली पूरी तरह से टूट कर दो भागो में पुरी तरह से बिखर चुकी है। हैरानी की बात यह है कि विगत 10 वर्षों से अब तक इस नाली की पूर्व पंचायत के द्वारा मरम्मत नहीं करवाई गई। वर्तमान में आमजन का इस रास्ते से निकलना भी दुर्लभ हो गया है। आए दिन दुपहिया एवं चौपहिया वाहन चालक इस खड्डे में गिरकर दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। मोहल्ले के हेमंत राजपूत ने बताया कि लगभग 10 सालों से भी ऊपर इस टूटे हुए नाली को हो चुके हैं। किंतु किसी भी जनप्रतिनिधि के द्वारा इसकी सुध नहीं ली गई। रात्रि के समय अंधेरा होने से कई बार छोटे बच्चे एवं राहगीर इसमें गिर जाते हैं। मोहल्ले के लोगों ने पूर्व ग्राम पंचायत के वार्ड सदस्य निलेश नलवाया को इस विषय में तीन से चार बार अवगत कराया जा चुका था। किंतु इसकी कोई मरम्मत नहीं करवाई गई। पूर्व में पंचायत को भी सूचना दी गई किंतु अब तक किसी के भी द्वारा इस टूटी हुई नाली को मरम्मत करने की सुध नहीं ली गई। मोहल्ले वासियों ने बताया कि वर्तमान नगर पालिका को भी इस विषय में अवगत कराया जा चुका है। किंतु नगर पालिका के द्वारा भी इसे मरम्मत करने को लेकर कोई ठोस कदम अभी तक नहीं उठाया गया। मोहल्ले के रामसिंह राजपूत ने बताया कि 10 दिन पूर्व भी इस टूटी हुई नाली में एक चौपहिया वाहन क्षतिग्रस्त होते-होते बच गया। वर्तमान में नाली के दोनों हिस्से बुरी तरह से टूट कर बिखर चुके हैं और एक लंबी दूरी नाली के बीच में आ गई है। अगर जल्द इस नाली की मरम्मत नहीं करवाई गई तो एक बड़े हादसे ही के होने का अंदेशा है। वही नाली की मरम्मत के विषय में निलेश नलवाया का कहना है कि पूर्व पंचायत के कोरम की मीटिंग में मेरे द्वारा दो बार मरम्मत को लेकर प्रस्ताव दिया जा चुका है। साथ ही वर्तमान नगर पालिका के शिकायत रजिस्टर में भी इस नाली की मरम्मत को लेकर शिकायत दर्ज करवाई जा चुकी है। उक्त विषय को लेकर नगर पालिका अधिशासी अधिकारी पंकज मंगल का कहना है कि आठ से दस दिनों में जेईएन की नियुक्ति के बाद जल्द मरम्मत का कार्य शुरू किया जाएगा।

नगरपालिका बनी, लेकिन विकास थमा - बदहाल व्यवस्था से जूझ रहा है बिजौलिया

भीलवाड़ा फोकस @ बिजौलिया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा 10 जुलाई 2024 को राज्य के पहले बजट में बिजौलिया को ग्राम पंचायत से नगर पालिका का दर्जा दिया गया था। उम्मीद की जा रही थी कि अब कस्बे के हालात बदलेंगे, व्यवस्थाएं बेहतर होंगी और विकास की रफ्तार तेज़ होगी।

लेकिन नगर पालिका घोषित हुए ग्यारह महीने बीत चुके हैं, और कस्बे की तस्वीर बदली नहीं, बल्कि और बदहाल होती जा रही है।

विकास के नाम पर ठहराव

स्थानीय विधायक गोपाल लाल शर्मा की पहल पर नगरपालिका की घोषणा तो हो गई, लेकिन इसके बाद विकास कार्यों की गति ठप पड़ गई। चतुर्थ श्रेणी की इस नई नगर पालिका में नयागांव, फतेहपुर, पुरोहितों का खेड़ा, मंडोल, रामपुरिया और केशूविलास जैसे ग्रामीण इलाकों को शामिल किया गया।

विस्तार तो हुआ, लेकिन सुविधाओं का विस्तार नहीं हो पाया।

सफाई व्यवस्था चौपट, रोशनी गायब

नगर के भीतर सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। पिछले एक महीने से सफाई कर्मी हड़ताल पर हैं, जिससे मोहल्लों और मुख्य बाजारों में कचरे के ढेर आम बात हो गए हैं। वहीं, सड़क लाइटें या तो बंद पड़ी हैं या फिर टूटी हुई, जिससे रात में राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

नगर की सड़कें बदहाल

कस्बे के कई वार्डों और रास्तों में सड़कें खस्ताहाल हैं, लेकिन उन्हें दुरुस्त करने की कोई योजना धरातल पर नजर नहीं आ रही , बड़े बड़े गड्ढे एवं टूटी सड़के लोगो के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है ।

मनरेगा बंद, रोजगार संकट

नगर पालिका बनने के साथ ही मनरेगा जैसी योजनाएं भी बंद हो गई, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं का रोजगार छिन गया। पहले ग्राम पंचायत क्षेत्र में मनरेगा के तहत काम मिलता था, जिससे स्थानीय महिलाओं को घर के पास ही रोज़गार की सुविधा थी।

कर वसूली से भी फैली थी नाराजगी

नगरपालिका बनने के बाद अधिशाषी अधिकारी द्वारा दो वर्षों का नगरीय कर वसूलने की कार्रवाई शुरू की गई । इससे जनता में भारी असंतोष है। लोगों का कहना है कि जब सुविधाएं नहीं मिल रही, तो फिर पीछे के वर्षों का टैक्स वसूलना सरासर अन्याय है।

जनता की आवाज़ - "ग्राम पंचायत ही बेहतर थी"

कांग्रेस के स्थानीय नेताओं का कहना है कि ÷ग्राम पंचायत के समय कम से कम सुनवाई तो होती थी, अब तो सब कुछ अनदेखा हो गया है।÷

वहीं, भाजपा नेता यह भरोसा जता रहे हैं कि ÷नगर पालिका बोर्ड के गठन के बाद हालात सुधरेंगे और सुनियोजित विकास की शुरुआत होगी।

स्वत्वाधिकारी एवं प्रकाशक कपिल विजयवर्गीय के लिए मुद्रक वेदान्त प्रभाकर मेधा कप्यूटर्स एण्ड ऑफसेट प्रिन्टर्स नंदभवन, बड़े पार्क के पास, कांवाखेड़ा भीलवाड़ा (राज.)से मुद्रित व मकान न. - 1 ए - धानमंडी योजना, कोर्ट के सामने बिजौलिया , भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। संपादक - श्याम सुन्दर विजयवर्गीय । मो. 8696795959, RNI No. : RJHIN/25/A0890